Dr. Sunil Kr. "Suman"
Assistant Professor
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper- IV
Date: 21-8-20

DO Next

Contribution of Wundt

(4) ध्यान संबंधी प्रयोग (Attention Experiments):- ध्यान से वुण्ट का तात्पर्य चेतन के संकीर्ण क्षेत्र (Narrow से स्पष्ट प्रत्यक्षण (vivid perception) से था। वुण्ट का मत था कि चेतन का यह संकीर्ण क्षेत्र (Narrow region) अन्य क्षेत्रों से भिन्न होता है। ध्यान के क्षेत्र में वुण्ट का अध्ययन का मुख्य केन्द्र बिन्दु ध्यान प्रसार (Range of Attention) तथा ध्यान अस्थिरता (Fluctuation of Attention) था। वुण्ट ने ध्यान को द्विविमिय (bidimensional) माना है, क्योंकि इसमें अनुक्रमिक (Successive) तथा समकालीक (Stimultaneous) दोनों की तरह की घटनाएं सम्मिलित होती है। जेम्स मेककीन कैत्तल (James McKeen cattel) जो वुण्ट के एक प्रमुख शिष्य थे द्वारा ध्यान विस्तार (Span of attention) पर एक महत्वपूर्ण अध्ययन किया गया जिसमें यह दिखलाने की कोशिश की गई की एक लघु अनावरण (Short Exposure) में प्रयोज्य दिये गए शब्दों, अक्षरों या बिन्दुओं पर एक झलक देखकर कितने शब्दों, अक्षरों या बिन्दुओं पर अपना ध्यान दे सकता है। मार्बे जो वुण्ट के एक अन्य शिष्य थे उन्होंने यह दिखलाया की उद्दीपक की तीव्रता कमजोर होने पर व्यक्ति के ध्यान में उतार चढ़ाव या अस्थिरता (Fluctuation) उत्पन्न हो जाती है। मार्बे के प्रयोग से वुण्ट काफी प्रभावित हुए और ध्यान अस्थिरता की घटना को एक महत्वपूर्ण घटना माना।

(5) भाव संबंधी प्रयोग (Feeling Experiments):- लिपजिग प्रयोगशाला में भाव पर कई तरह

Scanned with CamScanner

को शोध किया गया जिसका परिणाम यह हुआ की वुण्ट ने भाव का एक विशेष सिद्धान्त का प्रतिपादन कर सकने में समर्थ हुए। इस सिद्धान्त का नाम था - भाव का त्रिविमीय सिद्धान्त (Tridimensional theory of Feeling)। इस प्रयोगशाला में भाव का अध्ययन युग्मित तुलना विधि (Paired-comparision method) द्वारा किया गया। इस विधि में प्रयोज्य को प्रत्येक उद्दीपक (Stimulus) की तुलना श्रृंखला के अन्य उद्दीपक (Stimulus) से करना होता था जैसे- यदि प्रयोज्य को A, B, C, D, तथा E पाँच प्रकार के स्वर (Tone) के मिठास की तुलना करनी है तो उसे प्रत्येक स्वर को प्रत्येक दूसरे स्वर के साथ युग्मित करके तुलना किया जाएगा। प्रत्येक युग्म (Pair) में प्रयोज्य को यह बतलाना होगा की कौन सा स्वर उसे अधिक पसंद है। इस तरह से प्रत्येक स्वर के पसंदगी का एक क्रम (Sequence) तैयार हो जाएगा।

(6) मनोभौतिकी प्रयोग (Psychophysical experiments)

:- वुण्ट ने मनोभौतिकी (Psychophysics) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया। वुण्ट के अनुसार मनोभौतिकी में परिमाणात्मक समस्याएं (Quantitative problems) महत्वपूर्ण होती है। इस संबंध मे फेकनर से उनका एक बिन्दु पर मतभेद था। वुण्ट का मत था की यह कहना सम्भव है कि दो उद्दीपन समान तीव्रता (equal intensity) के होते हैं या एक दूसरे से न्यूनतम ज्ञेय अंतर (Just noticeable difference) के आधार पर भिन्न है। लेकिन उन्हे यह मान्य नहीं था की संवेदन का मापन किया जा सकता है। उनके अनुसार मापन सिर्फ उद्दीपक का संभव है। वे भौतिक उद्दीपकों तथा मानसिक प्रक्रिया के बीच के सम्बन्ध को मनोदैहिक विधियों द्वारा अध्ययन कर पर अधिक बल नहीं डालते थे। बल्कि वे मनोभौतिकी विधियों को संवेदन तिव्रता (Sensation intensities) तथा निर्णय की प्रक्रिया (Judgement process) के बीच के

सम्बन्ध को अध्ययन करने का एक माध्यम मानते थे। उद्दीपक आपस में एक दूसरे से भिन्न होता है इसलिए इसे सापेक्ष मात्रा (magnitude) के बारे में एक सही निर्णय लेना सम्भव होता है। वुण्ट को वेबर नियम का मात्र मनोवैज्ञानिक व्याख्या ही मान्य था जो उनके लिए सापेक्षता के मनोवैज्ञानिक नियम का एक उदाहरण है।

स्पष्ट है कि लिपजीग विश्वविद्यालय में वुण्ट तथा उनके सहयोगियों द्वारा कई प्रकार के प्रयोगात्मक कार्य किया गया। अगर इन कार्यों के स्वरूप एवं विधियों पर ध्यान दिया जाय तो यह स्पष्ट होगा कि इनकी उत्पत्ति की स्रोत हेलमहोल्ज, वेबर, तथा फेक्नर के विचार धाराओं में है। फिर भी इस प्रयोगशाला में इन समस्याओं का प्रयोगात्मक रूप से गहन अध्ययन का श्रेय वुण्ट को दी जाता है और इसमें प्रयोगात्मक मनोविज्ञान को निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण बल प्राप्त हुआ है। लिपजिग प्रयोगशाला के शोध कार्यों ने मनोविज्ञान को एक प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के रूप में स्थापित करने में वुण्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है।

Scanned with CamScanner